मुख्यमंत्री भजनलाल प्रधानमंत्री के ब्रिक्स रात्रिभोज में शामिल होंगे

इस कार्यक्रम के लिए वे शनिवार शाम को दिल्ली जाएंगे तथा रात को ही जयपुर लौटेंगे

जयपुर, 11 सितम्बर। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा शनिवार को नई दिल्ली के दौरे पर रहेंगे। मुख्यमंत्री दिल्ली में ब्रिक्स-2026 के अवसर पर प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से आयोजित रात्रि -भोज में शामिल होंगे।

निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार, मुख्यमंत्री शाम 4 बजे जयपुर एयरपोर्ट से नई दिल्ली के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री शाम 4.45 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट पहुंचेंगे। यहां से करीब 4.55 बजे रवाना होकर शाम 5.40 बजे संसद भवन पहुंचेंगे। संसद भवन में शाम 5.40 से 6.15 बजे तक उनका कार्यक्रम रिजर्व रखा गया है। इसके बाद मुख्यमंत्री शाम 6.15 बजे संसद भवन से भारत मंडपम, प्रगति मैदान के लिए रवाना होंगे। मुख्यमंत्री शाम 6.30 बजे भारत मंडपम पहुंचेंगे, जहां 6.30 से 7.10 बजे तक एल-3 लाउंज में रहेंगे। इसके बाद शाम 7.30 से रात 9 बजे तक भारत मंडपम के मल्टी फंक्शन हॉल, तृतीय तल पर आयोजित ब्रिक्स-2026 के विशेष रात्रि-भोज में शामिल होंगे। यह रात्रि-भोज प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी की ओर से भारत गणराज्य की ओर से आयोजित किया जा रहा है। रात्रि-भोज में देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों के शामिल होने के बीच मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा की मौजूदगी भी रहेगी। मुख्यमंत्री का यह दिल्ली दौरा ब्रिक्स-2026 से जुडे कार्यक्रम के लिहाज से महत्वपूर्ण माना जा रहा है। रात्रि-भोज के बाद मुख्यमंत्री रात 9 से 9.55 बजे तक रिजर्व समय में रहेंगे। इसके बाद रात 9.55 बजे भारत मंडपम से संसद भवन के लिए रवाना होंगे और करीब 10.10 बजे संसद भवन पहुंचेंगे। वहां से रात 10.15 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट के लिए रवाना होकर रात 11 बजे एयरपोर्ट पहुंचेंगे। मुख्यमंत्री रात 11.10 बजे नई दिल्ली एयरपोर्ट से जयपुर के लिए रवाना होंगे और रात 11.55 बजे जयपुर एयरपोर्ट पहुंचेंगे। इस प्रकार मुख्यमंत्री का दिल्ली दौरा करीब आठ घंटे का रहेगा।

मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा

- **प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी द्वारा ब्रिक्स-2026 में भाग लेने के लिए आए देश-विदेश के विशिष्ट अतिथियों के लिए विशेष रात्रि भोज का आयोजन भारत मंडपम के तृतीय तल पर मल्टी फंक्शन हाल में किया जा रहा है।**

हूथीज़ स्ट्रेट ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

सागर के रास्ते का इस्तेमाल कर रहा है। लाल सागर और स्वेज नहर के रास्ते, बंदरगाहों तथा व्यापारिक मार्गों का उपयोग करके सऊदी अरब अपना तेल बाहर भेज रहा है। अगर इस रास्ते को भी बंद कर दिया जाता है, तो सऊदी अरब लगभग पूरी तरह घिर जाएगा और उसका तेल फंस जाएगा। तेल की आवाजाही को और बाधित करने वाली इस नई परेशानी को देख कर अमेरिका सक्रिय हो रहा है और बाब अल-मंदेब जलडमरूमध्य पर हूतियों के नियंत्रण तथा समुद्र के बीच स्थित महत्वपूर्ण द्वीप पर उनकी पकड़ को चुनौती देने की दिशा में बढ़ रहा है। हूतियों की इन गतिविधियों को देखते हुए, अमेरिका पहले से ही हूतियों से निपटने के लिए सऊदी अरब के साथ खुफिया जानकारी साझा कर रहा था। लेकिन, हूतियों और ईरान के संयुक्त अभियानों का सामना करने के लिए अमेरिकी सेना की यमन के हमलों में सीधे शामिल होने की जरूरत है।फिलहाल ऐसा नहीं हो रहा है, क्योंकि अमेरिकी सेना होर्मुज़ जलडमरूमध्य में ईरान के साथ सीधे संघर्ष में बुरी तरह व्यस्त है। अमेरिकी सेना इस क्षेत्र में एक और सैन्य अभियान में उलझने को लेकर हिचकिचा रही है। हूती जल्दी ही सऊदी अरब के खिलाफ बहुत बड़े सैन्य अभियान की धमकी दे रहे हैं। जैसी स्थितियाँ दिखाई दे रही हैं, अगर ईरान और हूतियों का बाब अल-मंदेब समुद्री मार्ग को बंद करने का अभियान सफल होता है, तो हूतियों की गतिविधियां किसी न किसी तरह अमेरिका को इस संघर्ष में खींच लेंगी।

ब्रिटिश इकॉनमिस्ट जिम ओनील ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

ब्रिक शिखर सम्मेलन 2009 में हुआ था। 2010 में दक्षिण अफ्रीका के इसमें शामिल होने के बाद "ब्रिक" का नाम "ब्रिक्स" हो गया। अगला बड़ा विस्तार 2024 में हुआ, जब मिस्र, इथियोपिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) इसमें शामिल हुए। जनवरी 2025 में इंडोनेशिया भी इसका सदस्य बन गया। अब इस समूह में 11 सदस्य हैं। बेलारूस, बोलीविया, कजाखस्तान, क्यूबा, मलेशिया, नाइजीरिया, थाईलैंड, युगांडा, उज्बेकिस्तान और वियतनाम इसके अन्य सदस्य देश हैं। ब्रिक्स के 11 सदस्य देशों की कुल आबादी करीब 4 अरब है, जो दुनिया की कुल आबादी के 49 प्रतिशत से अधिक है। इसका मतलब है कि दुनिया के लगभग हर दो में से एक व्यक्ति ब्रिक्स के किसी देश में रहता है। जी7 देशों की कुल आबादी करीब 80 करोड़ है। दोनों समूहों के बीच अंतर उनके क्षेत्रफल में भी दिखाई देता है। ब्रिक्स के 11 देशों का कुल क्षेत्रफल करीब 4.77 करोड़ वर्ग किलोमीटर है, जो दुनिया के कुल भूमि क्षेत्र का लगभग 32 प्रतिशत है। वहीं जी7 देशों का कुल क्षेत्रफल करीब 2.11 करोड़ वर्ग किलोमीटर है। आर्थिक तस्वीर अलग है। सोर्स मटीरियल में दिए गए अंतरराष्ट्रीय मुद्रा कोष (आईएमएफ) के आंकड़ों के अनुसार, ब्रिक्स के 11 सदस्यों की संयुक्त जीडीपी करीब 35.18 ट्रिलियन डॉलर है, जो विश्व अर्थव्यवस्था का लगभग 40 प्रतिशत है। जी7 की संयुक्त जीडीपी करीब 55.32 ट्रिलियन डॉलर है, जो ब्रिक्स से लगभग 57 प्रतिशत अधिक है।

सैनिकों की संख्या के मामले में सैन्य ताकत ब्रिक्स को एक और बड़ी बढ़त देती है। सोर्स मटीरियल में दिए गए ग्लोबलमिलिटरी डॉट नेट के आंकड़ों के अनुसार, चीन के पास करीब 20 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी, रूस के पास करीब 11 लाख और भारत के पास करीब 14.75 लाख सक्रिय सैन्यकर्मी हैं। ब्रिक्स के सभी 11 सदस्यों को मिलाकर सैनिकों की कुल संख्या 70.61 लाख से अधिक है। जी7 देशों के पास कुल मिलाकर करीब 24 लाख सैनिक हैं। लेकिन जब सैन्य विमानों की संख्या देखते हैं तो तस्वीर बदल जाती है। ब्रिक्स देशों के पास करीब 17,654 सैन्य विमान हैं, जबकि जी7 देशों के पास करीब 17,899 सैन्य विमान हैं।

परमाणु हथियार भी दोनों समूहों की सैन्य ताकत को दिखाते हैं। चीन, रूस और भारत, ब्रिक्स के तीन परमाणु हथियार रखने वाले सदस्य देश हैं। इनके पास करीब 6,230 परमाणु हथियार हैं। अमेरिका, फ्रांस और ब्रिटेन, जी7 के तीन परमाणु हथियार रखने वाले सदस्य देश हैं और इनके पास करीब 5,637 परमाणु हथियार हैं। ऊर्जा एक और ऐसा क्षेत्र है, जहां ब्रिक्स की स्थिति मजबूत है। दुनिया के नौ सबसे बड़े तेल उत्पादक देशों में से छह ब्रिक्स के सदस्य हैं- सऊदी अरब, रूस, चीन, ब्राज़ील, ईरान और यूएई।

सोर्स मटीरियल में दिए गए अंतरराष्ट्रीय ऊर्जा एजेंसी के आंकड़ों के अनुसार, ये छह देश दुनिया के कुल तेल उत्पादन का करीब 38.6 प्रतिशत हिस्सा पैदा करते हैं। अमेरिका और कैनडा भी दुनिया के सबसे बड़े तेल उत्पादकों में शामिल हैं, जिससे ऊर्जा बाजार में जी7 की स्थिति भी मजबूत बनी हुई है। चीन और भारत के पास तेल शोधन की बड़ी क्षमता भी है। भारत दुनिया के सबसे बड़े तेल शोधन करने वाले देशों में शामिल है। इससे पेट्रोलियम उत्पादों के प्रॉसेसिंग एवं सप्लाई में ब्रिक्स की महत्वपूर्ण भूमिका है। दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के मामले में भी ब्रिक्स की बड़ी हिस्सेदारी है। इन खनिजों का इस्तेमाल इलेक्ट्रॉनिक उपकरणों, इलेक्ट्रिक वाहनों, रक्षा उपकरणों और कई अन्य उद्योगों में किया जाता है। दुनिया में दुर्लभ पृथ्वी खनिजों के उत्पादन में चीन की हिस्सेदारी 80 प्रतिशत से अधिक है। सोर्स मटीरियल में दिए गए आंकड़ों के अनुसार, विश्व व्यापार में ब्रिक्स की हिस्सेदारी करीब 46 प्रतिशत है। ब्रिक्स देशों के बीच व्यापार भी पिछले वर्षों के दौरान बढ़ा है। 2003 में यह करीब 84 अरब डॉलर था। 2024 तक यह बढ़कर 1.17 ट्रिलियन डॉलर हो गया।

3,000 रूम्स, ब्रिक्स के लिए ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

बुनियादी ढांचा निवेश बैंक के अध्यक्ष और न्यू डेवलपमेंट बैंक के अध्यक्ष इस होटल में ठहरे हुए हैं।

युगांडा, नाइजीरिया और मलेशिया के प्रतिनिधिमंडल भी यहां ठहरे हैं।

द ललित नई दिल्ली

कनॉट प्लेस के पास स्थित द ललित नई दिल्ली में दक्षिण अफ्रीका और बुरुंडी के प्रतिनिधिमंडल ठहरे हुए हैं। यह होटल अफ्रीकी सदस्य देशों और संपर्क के लिए आए प्रतिनिधिमंडलों की मेजबानी कर रहा है।

शांगरी-ला इरोस, नई दिल्ली

अशोक रोड पर स्थित शांगरी-ला इरोस को पश्चिम एशिया के ब्रिक्स सदस्य देश के प्रतिनिधिमंडल के लिए तय किया गया है। होटल के सभी सुइट फिलहाल बुक हो चुके हैं, जबकि कमरों की कीमत 60,000 रुपये प्रति रात तक पहुंच गई है।

होटल के कमरे अचानक इतने महंगे क्यों हो गए?

शिखर सम्मेलन में बड़ी संख्या में राष्ट्रपति, प्रधानमंत्री, राजनयिक, अंतरराष्ट्रीय संगठनों के प्रमुख और कारोबारी नेता दिल्ली पहुंचे हैं। इससे कई आलीशान होटलों में कमरों की उपलब्धता कम हो गई है। यह स्थिति द ओबेरॉय और द ताजमहल होटल जैसे होटलों में विशेष रूप से साफ दिखाई दे रही है, जिनकी आधिकारिक वेबसाइटों पर फिलहाल सभी कमरे बुक दिख रहे हैं।

कौन-कौन से ब्रिक्स सदस्य शिखर सम्मेलन में शामिल हो रहे हैं?

मौजूदा ब्रिक्स समूह में ब्राजील, रूस, भारत, चीन, दक्षिण अफ्रीका, मिस्र, इथियोपिया, इंडोनेशिया, ईरान, सऊदी अरब और संयुक्त अरब अमीरात शामिल हैं।

शिखर सम्मेलन में जिन नेताओं और वरिष्ठ प्रतिनिधियों के शामिल होने की उम्मीद है, उनमें शामिल हैं:

चीन: शी जिनपिंग, राष्ट्रपति

रूस: व्लादिमीर पुतिन, राष्ट्रपति

दक्षिण अफ्रीका: सिरिल रामाफोसा, राष्ट्रपति

ईरान: मसूद पेजेश्कियन, राष्ट्रपति

मिस्र: अब्देल फतह अल-सीसी, राष्ट्रपति

इथियोपिया: अबी अहमद, प्रधानमंत्री

इंडोनेशिया: प्रबोवो सुबियांतो, राष्ट्रपति

यूएई: शेख खालिद बिन मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान, अबू धाबी के क्राउन प्रिंस

ब्राजील: माउरो विएरा, विदेश मंत्री

सोनम वांगचुक ने आंदोलन ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

अधिक नियंत्रण वाली नौकरशाही व्यवस्था के बीच जमीन, रोजगार, संस्कृति और नाजुक हिमालयी पर्यावरण को लेकर डर पैदा हो गया।

तब से एलएबी और केडीए चार मुख्य मांगों को लेकर आंदोलन कर रहे हैं। इनमें पूर्ण राज्य का दर्जा, जनजातीय स्वायत्त परिषदों के लिए छठी अनुसूची में शामिल करना, जिसके तहत जमीन और संसाधनों पर अधिकार मिल सके, अलग लोक सेवा आयोग और संसद में दो सीटें शामिल हैं। वांगचुक ने जलवायु और पर्यावरण पर केन्द्रित भूख हड़तालों और मार्च के जरिए इस अभियान को और मजबूत किया। उनका कहना है कि रणनीतिक रूप से संवेदनशील सीमावर्ती क्षेत्र में पर्यावरण की रक्षा के लिए स्थानीय लोगों का अपने क्षेत्र पर नियंत्रण जरूरी है। सितंबर 2025 में हुई हिंसा ने स्थिति को बेहद गंभीर बना दिया था। इसके बाद वांगचुक को हिरासत में लिया गया और बाद में बातचीत का रास्ता आसान बनाने के लिए उन्हें रिहा कर दिया गया।

वांगचुक की नई आंदोलन की चेतावनी इस बात को दर्शाती है कि वर्षों से किए जा रहे वादों, जिनमें भारतीय जनता पार्टी के पहले किए गए छठी अनुसूची से जुड़े वादे भी शामिल हैं, के पूरा न होने और बातचीत के बावजूद, कोई ठोस प्रगति नहीं होने से लोगों में निराशा बढ़ रही है। लद्दाख की रणनीतिक स्थिति और पर्यावरण की संवेदनशीलता को देखते हुए, स्वायत्तता के सवाल का समाधान पारदर्शी और समयबद्ध संवैधानिक उपायों के जरिए करना लोकतांत्रिक विश्वास और स्थिरता बहाल करने के लिए बेहद महत्वपूर्ण है।

मोदी-पुतिन मुलाकात: कोई ...

(प्रथम पृष्ठ का शेष)

का सामना कर रहे रुस की भारत को एक प्रमुख रक्षा साझेदार बनाए रखने और भारत के रक्षा उद्योग से जुड़े क्षेत्र में अपनी भूमिका बढ़ाने में गहरी रुचि है।

ऊर्जा भी दोनों देशों के संबंधों का एक महत्वपूर्ण आधार बनी हुई है। रूसी कच्चा तेल भारत की ऊर्जा सुरक्षा रणनीति का महत्वपूर्ण हिस्सा बन गया है और इससे भारतीय तेल रिफाइनरियों को प्रतिस्पर्धी कीमतों पर आपूर्ति मिल रही है। तेजी से बढ़ती अर्थव्यवस्था के लिए भरोसेमंद और सस्ती ऊर्जा एक रणनीतिक जरूरत है। रूसी ऊर्जा सप्लाई के साथ भारत का लगातार जुड़ाव उसकी रणनीतिक स्वायत्तता का व्यावहारिक उदाहरण भी है। नई दिल्ली रूस के साथ आर्थिक संबंध बनाए रखने के साथ-साथ, अमेरिका, यूरोप, जापान और खाड़ी देशों के साथ अपने रणनीतिक संबंधों को भी मजबूत करने के लिए तैयार है। दोनों देश 2024-25 में लगभग 70 अरब डॉलर के द्विपक्षीय व्यापार को 2030 तक 100 अरब डॉलर तक बढ़ाने की कोशिश कर रहे हैं। इस लक्ष्य को टिकाऊ तरीके से हासिल करने के लिए परमाणु ऊर्जा, मैन्युफैक्चरिंग, फर्टिलाइज़र, रेलवे, इस्पात और अहम खनिजों के क्षेत्रों में विविधता लाना जरुरी होगा। यूक्रेन का मुद्दा भी स्वाभाविक रूप से रणनीतिक बातचीत का हिस्सा रहा। मोदी ने विवादों को सुलझाने के लिए बातचीत और कूटनीति को प्राथमिकता देने की भारत की नीति को दोहराया। इस दृष्टिकोण से भारत रूस के साथ करीबी संवाद बनाए रख सकता है, बिना उसकी हर नीति का समर्थन किए। साथ ही, इससे पश्चिमी देशों के साथ भारत के संबंध भी बने रहते हैं। रुस के लिए भी भारत के साथ संबंध उतने ही महत्वपूर्ण हैं। मॉस्को को पश्चिमी गठबंधन व्यवस्था से बाहर बड़े बाजारों और रणनीतिक साझेदारों तक पहुंच की जरूरत है, जबकि भारत का कूटनीतिक प्रभाव रूस को व्यापक वैश्विक समुदाय तक पहुंचने का एक अहम जरिया देता है। पुतिन का मोदी को 24वें भारत-रूस वार्षिक शिखर सम्मेलन के लिए रूस आने का निमंत्रण देना और मोदी द्वारा इसे स्वीकार करना इस बात का एक और प्रमाण है कि दोनों देशों के संबंध राजनीतिक स्तर पर मजबूत बने हुए हैं। इसलिए इस मुलाकात का तत्काल निष्कर्ष किसी बड़े हथियार सौदे के बजाय रणनीतिक संबंधों को और मजबूत करने का है। एसयू-57 का प्रस्ताव, अतिरिक्त एस-400 क्षमता, रक्षा तकनीक में सहयोग और संयुक्त उत्पादन का विस्तार ऐसे क्षेत्र हैं, जिन पर नजर बनी रहेगी। हालांकि, बड़ी तस्वीर यह है कि भारत पुराने रक्षा संबंधों को व्यापक तकनीकी और औद्योगिक साझेदारी में बदलने की कोशिश कर रहा है, साथ ही अपनी रणनीतिक स्वतंत्रता को भी बनाए रखना चाहता है।

राष्ट्रदूत (एच.यू.एफ.) के लिए मुद्रक एवं प्रकाशक सोमेश शर्मा द्वारा वतन प्रेस, सुधर्मा, एम.आई.रोड़, जयपुर एवं सुधर्मा-II, लालकोठी शॉपिंग सेंटर, टोंक रोड़, जयपुर से मुद्रित एवं प्रकाशित। संपादक:- राजेश शर्मा । आर.एन.आई. नं. 3641/57, ई-मेल-rastrdut@gmail.com कोटा कार्यालय:-पलायथा हाउस, छत्रपति शिवाजी मार्ग, कोटा। फोन:2386031, 2386032, फैक्स:0744-2386033 बीकानेर कार्यालय:-कुंम्भाना हाउस, हनुमान हत्था, बीकानेर। फोन:2200660, फैक्स: 0151-2527371 उदयपुर कार्यालय:-आयड, मेन रोड आयड, उदयपुर। फोन: 2413092, 2418945, फैक्स: 0294-2410146 अजमेर कार्यालय:-घूघरा घाटी, जयपुर रोड,अजमेर। फोन: 2627612, फैक्स:0145-2624665 जालोर कार्यालय :- प्लाट नम्बर H1-4, इन्डस्ट्रीयल एरिया फैस प्रथम, जालौर, (राज.) फोन नम्बर 226422, 226423, जालौर। फैक्स: 02973-226424 हिण्डौनसिटी कार्यालय :- जी -1-201, रीको औद्योगिक क्षेत्र, हिण्डौनसिटी। फोन: 230200, 230400, फैक्स: 07469-230600 चूरू कार्यालय: एच-150, रीको औद्योगिक क्षेत्र, चूरू, फोन: 256906, 256907, फैक्स:01562-256908